



Hargharpanditji
॥ श्री कृष्ण स्तुति ॥
श्रीकृष्णार्पणमस्तु

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ श्री कृष्ण स्तुति ॥

वसुदेवसुतं देवं कंसचाणूरमर्दनम्।
देवकीपरमानन्दं कृष्णं वन्दे जगद्गुरुम्॥
कृष्णाय वासुदेवाय हरये परमात्मने।
प्रणतः क्लेशनाशाय गोविन्दाय नमो नमः॥
हे नाथ! हे माधव! हे गोविन्द! हे गोपाल!
आप सम्पूर्ण संसार के पालनहार, भक्तवत्सल और करुणामय प्रभु हैं।

आपके श्रीचरणों में बारम्बार प्रणाम है।
आपकी मधुर मुरली की ध्वनि समस्त जीवों के हृदय को आनंद से भर
देती है।

आपकी दिव्य मुस्कान समस्त दुःखों का नाश करती है।
आपकी कृपा से जीवन में प्रेम, शांति, भक्ति और ज्ञान का प्रकाश फैलता
है।

हे वृन्दावन बिहारी!
आप गोप-गोपियों के प्रियतम, राधारानी के प्राणवल्लभ तथा समस्त
भक्तों के रक्षक हैं।
आपने अधर्म का विनाश कर धर्म की स्थापना की तथा मानव जाति को
श्रीमद्भगवद्गीता के माध्यम से कर्म, ज्ञान और भक्ति का अमूल्य संदेश
प्रदान किया।

हे दीनबन्धु!
हमारे जीवन से अज्ञान, भय, मोह और अहंकार को दूर करें।
हमें सदैव सत्य, धर्म और प्रेम के मार्ग पर चलने की शक्ति प्रदान करें।
हमारे मन में आपकी अखण्ड भक्ति बनी रहे और प्रत्येक क्षण आपका
स्मरण होता रहे।

हे मुरारी!

आपके नाम का स्मरण करने मात्र से सभी पाप नष्ट हो जाते हैं और मन
को अद्भुत शांति प्राप्त होती है।

आपकी कृपा से असंभव भी संभव हो जाता है।

हमें सदैव आपकी शरण में रहने का सौभाग्य प्रदान करें।

त्वमेव माता च पिता त्वमेव।

त्वमेव बन्धुश्च सखा त्वमेव।

त्वमेव विद्या द्रविणं त्वमेव।

त्वमेव सर्वं मम देवदेव॥

हे श्रीकृष्ण!

हमारे जीवन को धर्म, भक्ति, प्रेम, करुणा और सदाचार से परिपूर्ण करें।

हमें अपने श्रीचरणों की सेवा तथा आपकी अनन्य भक्ति का वरदान
प्रदान करें।

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"